महर्षिपाणिनिसंस्कृतएवंवैदिकविश्वविद्यालयः

देवासमार्गः, उज्जैनम् (म.प्र.) 456010

दर्शन-सङ्काय
दर्शन-विभाग

आचार्य (न्यायदर्शन)

Programme Code – AC – NYD

एकवार्षिक स्नातकोत्तर परीक्षा पाठ्यक्रम
1-Year Post Graduate Diploma Examination Syllabus

अधिगमपरिणामआधारितपाठ्यचर्चा रूपरेखा
(L.O.C.F)

2025-2026

अणुसङ्केतः–regpsvvmp@rediffmail.com//अन्तर्जालपूटम्-www.mpsvv.ac.in

परीक्षा पाठ्यक्रम नियमावली

1. पाठ्यक्रम का स्वरूप -

अधिगमपरिणाम-आधारितपाठ्यचर्या रूपरेखा (LOCF) पर आधारित एकवार्षिक आचार्य (न्यायदर्शन) परीक्षा (नियमित एवं स्वाध्यायी) का पाठ्यक्रम दो सत्रार्द्धों में विभक्त होगा। पाठ्यक्रम में प्रतिसत्रार्द्ध 5 प्रश्नपत्र होंगे। 5-5 क्रेडिट् के चार अनिवार्य प्रश्नपत्र मूलविषय के होंगे। पाँचवें प्रश्नपत्र के रूप में 2 क्रेडिट् के प्रशिक्षुता/सङ्गोष्ठी/मूल्याधारित पाठ्यक्रम आदि शासन द्वारा जारी अध्यादेश 14 (2) के अनुसार होंगे। छात्रों द्वारा VAC पाठ्यक्रम अन्य विषय से भी चयन किये जा सकेंगे। पाठ्यक्रम में प्रथम 4 प्रश्न पत्रों हेतु पूर्णाङ्क 100 है। जिसमें 40 अङ्कों का आन्तरिक मूल्याङ्कन तथा 60 अङ्कों की सैद्धान्तिक (बाह्य) परीक्षा होगी।

2. प्रवेशनियम

एकवार्षिक आचार्य (न्यायदर्शन) परीक्षा में निम्नलिखित परीक्षोत्तीर्ण छात्र प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे -

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से न्यायदर्शन में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।

3. परीक्षायोजना–

- एकवार्षिक आचार्य (न्यायदर्शन) परीक्षा का माध्यम हिन्दी अथवा संस्कृत होगा। परियोजना/प्रतिवेदन/लघुशोध प्रबन्ध की भाषा भी संस्कृत अथवा हिन्दी होगी।

4. **प्रश्नपत्रनिर्माणयोजना–**

मुख्यपाठ्यक्रमोंहेतु

प्रतिप्रश्नपत्र अधोलिखित अनुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

क्रमांक	प्रश्नप्रकार	प्रश्नसंख्या	अङ्क	योग
1	बहुविकल्पीयाः	5	1	5
2	लघूत्तरीयाः/टिप्पण्यात्मकाः	5	3	15
3	निबन्धात्मकाः/व्याख्यात्मकाः	5	8	40
4	आन्तरिकमूल्याङ्कनम्			40
योगः				100 अङ्क

VAC पाठ्यक्रमों हेतु

प्रतिप्रश्नपत्र अधोलिखित अनुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

क्रमांक	प्रश्नप्रकार	प्रश्नसंख्या	अङ्क	योग

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

1.	बहुविकल्पयीय	5	2	10
2.	लघूत्तरीय/टिप्पण्यात्मक	5	6	30
3.	निबन्धात्मक/व्याख्यात्मक	5	12	60
योग				100 अङ्क

5. ग्रेडिंगपद्धति -

द्विवार्षिक आचार्य (अद्वैत वेदान्त) परीक्षा में परीक्षाफल प्रकाशन में ग्रेडिंग पद्धति अपनायी जाएगी

CONVERSION OF MARKS INTO GRADE AND GRADE POINT			
Latter Grade	GRADE	GRADE POINT	DESCRIPTION
> 90%	O	O	Outstanding
>80%	A+	A+	Excellent
>70%	A	A	Very Good
>60%	B+	B+	Good
>50%	B	B	Above Average
>40%	C	C	Average
40%	P	P	Pass
<40%	F	F	Fail
Ab	Ab	Ab	Absent

Equivalent Percentage- CGPAX10

The Maximum Marks per paper is fixed at 100

(If it is less or more than 100, convert it into 100 for grading)

Cumulative Grade Point Average

Based on the grades obtained in all the subjects registered for by a student, his or her cumulative Grade point Average Semester Grade Point Average (SGPA)and Cumulative Grade Point Average (CGPA) is calculated as follows:

$$\text{SGPA/CGPA} = \frac{\Sigma \text{ (No. of credits * Grade Point)}}{\Sigma \text{ No. of Credits}}$$

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

SGPA/CGPA is rounded off to the decimal Place.

- जो छात्र किसी सत्रार्द्ध के कुछ पाठ्यक्रमों (प्रश्नपत्रों) में अनुत्तीर्ण होते हैं, किन्तु यदि वे सत्रार्द्ध के ल क्रेडिट् (22) का 40% (अर्थात् 9 क्रेडिट्) प्राप्त कर लेते हैं, तो उन्हें अनन्तिम रूप से अग्रिम सत्रार्द्ध में प्रोन्नत किया जावेगा तथा अनुत्तीर्ण पाठ्यक्रमों में उन्हें एटीकेटी प्राप्त होगी।
- शोध प्रबन्ध/परियोजना/सङ्गोष्ठी को पूर्ण न कर सके अथवा असफल रहे छात्रों को दो सत्रार्द्ध तक इन्हें दोहराने का अवसर मिलेगा। यदि दोनों सत्रार्द्ध में छात्र इन्हें पूर्ण नहीं कर सका, तो वह सम्बन्धित उपाधि का पात्र नहीं होगा।

6. **उपलब्ध स्थान** – उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु उपलब्ध स्थान प्रवेश अधिसूचना द्वारा निर्धारित होंगे। प्रवेश के लिए उपलब्ध स्थानों पर राज्यशासन के नियमानुसार आरक्षण प्रदान किया जाएगा। अधिक प्रवेशार्थी होने की स्थिति में प्रतयेक सत्र में विश्वविद्यालय प्रशासन से स्थानवृद्धि की स्वीकृति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
7. **शुल्क** – छात्रों का प्रवेश शुल्क, परीक्षा तथा अन्य विभिन्न गतिविधियों का शुल्क विश्वविद्यालय के सम्बन्धित अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा, जिन्हें समय-समय पर आवश्यक होने पर संशोधित किया जा सकेगा।
8. **परीक्षा सञ्चालन एवं उपाधि की पात्रता** – प्रस्तुत पाठ्यक्रम की परीक्षा का सञ्चालन विश्वविद्यालय द्वारा सम्बन्धित अध्यादेशों में विहित प्रावधानों के अनुसार किया जायेगा। उक्त स्नातकोत्तर परीक्षा पूर्ण करने के पश्चात् उत्तीर्ण होने पर एकवार्षिक आचार्य न्यायदर्शन की उपाधि प्रदान की जाएगी।
9. **अवधि** – अध्यादेश 14 (2) के अनुसार एकवार्षिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम को अधिकतम दो वर्षों में पूर्ण करना अनिवार्य है।
10. **सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम सञ्चालन** - छात्रों द्वारा प्रथम सत्रार्द्ध हेतु सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम चयन किये जाने पर विभागाध्यक्ष द्वारा सम्बद्ध विषय में मुख्य चार पाठ्यक्रमों पर आधारित सङ्गोष्ठी शीर्षकों की विस्तृत सूची जारी की जावेगी, जिन पर कक्षा में विमर्श किया जावे। परीक्षा आन्तरिक मूल्याङ्कन द्वारा सम्पादित की जावेगी। जो भी छात्र सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम स्वीकार करेंगे, उन्हें उस सत्रार्द्ध की अवधि में राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की न्यूनतम एक सङ्गोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद में सहभागिता करना अनिवार्य होगा तथा सम्बन्धित सङ्गोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद का प्रतिवेदन, प्रमाणपत्र एवं शोधपत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य रहेगा।

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

11. कार्यक्रम योजना

वर्ष/ सत्रार्द्ध		पाठ्यक्रमप्रकार				कुल क्रेडिट
		मुख्यपाठ्यक्रमएवंक्रेडिट			इन्टर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप/ सङ्गोष्ठी अथवा VAC (CHM/ EEMC)	
		पाठ्यक्रम स्तर	मुख्यपाठ्यक्रम	क्रेडिट		
विकल्प- 1 (केवल पाठ्यक्रम कार्य)						
प्रथम वर्ष	प्रथम सत्रार्द्ध	500	CC-11 वात्स्यायनभाष्यसहितं न्यायसूत्रम् (प्रथमाध्यायः)	5	इन्टर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप अथवा सङ्गोष्ठी (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-12 वैशेषिकसूत्रोपस्कारः (प्रथमात् तृतीयाध्यायपर्यन्तम्)	5		
		500	CC-13 व्यधिकरणम् (प्रथमलक्षणम्)	5		
		500	CC-14 न्यायकुसुमाञ्जलिः (हरिदासी) (प्रथमस्तवकात् द्वतीयस्तवकपर्यन्ता)	5		
	द्वितीय सत्रार्द्ध	500	CC-21 वात्सायनभाष्यसहितं न्यायसूत्रम् (द्वितीयाध्यायः)	5	VAC (CHM/ EEMC) (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-22 वैशेषिकसूत्रोपस्कारः (चतुर्थाध्यायतः षष्ठाध्यायपर्यन्तम्)	5		
		500	CC-23 व्यधिकरणम् (द्वितीयस्वलक्षणं)	5		
		500	CC-24 न्यायकुसुमञ्जलिः (हरिदासी) (अवशिष्टभागः)	5		
विकल्प- 2 (पाठ्यक्रम कार्य एवं शोध कार्य)						

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

प्रथम वर्ष	प्रथम सत्रार्द्धे	500	CC-11 वात्स्यायनभाष्यसहितं न्यायसूत्रम् (प्रथमाध्यायः)	5	सङ्गोष्ठी (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-12 वैशेषिकसूत्रोपस्कारः (प्रथमात् तृतीयाध्यायपर्यन्तम्)	5		
		500	CC-13 व्यधिकरणम् (प्रथमलक्षणम्)	5		
		500	CC-14 न्यायकुसुमाञ्जलिः (हरिदासी) (प्रथमस्तवकात् द्वतीयस्तवकपर्यन्ता)	5		
	द्वितीय सत्रार्द्धे	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तःअथवाबाह्य)				22
विकल्प- 3 (केवल शोधकार्य)						
प्रथम वर्ष	प्रथम सत्रार्द्धे	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तःअथवाबाह्य)				**22**
	द्वितीय सत्रार्द्धे	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तःअथवाबाह्य)				**22**

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

12. पाठ्यक्रम प्रकार

- मुख्य पाठ्यक्रम **(Core Course) CC -** किसी विषय/कार्यक्रम का अनिवार्य पाठ्यक्रम जिसका उद्देश्य विषय/कार्यक्रम का आवश्यक मौलिक, व्यापक और उन्नत ज्ञान प्रदान करना है।
- **मूल्य-संवर्धितपाठ्यक्रम (Value-Added Course) VAC** – मूल्यवर्धितपाठ्यक्रम विशिष्ट पाठ्यक्रम होते हैं जो छात्रों को नियमित पाठ्यक्रम से परे, किसी विशिष्ट क्षेत्र में अतिरिक्त कौशल, ज्ञान और विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। ये पाठ्यक्रम छात्रों की रोज़गार क्षमता, करियर की संभावनाओं और व्यक्तिगत विकास को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।
- **संवैधानिक, मानवीयऔरनैतिकमूल्य (Constitutional, Human and Moral) CHM-** ये 'मूल्यवर्धितपाठ्यक्रम' हैं जिनका उद्देश्य संवैधानिक, मानवीय एवं नैतिक मूल्यों तथा बौद्धिकसंपदा अधिकार (आईपीआर) पर शिक्षा एवं अभ्यास प्रदान करना है।
- **रोजगार एवं उद्यमिता कौशल पाठ्यक्रम (Employability and Entrepreneurship Skill Course) EEMC-** रोजगार योग्यता एवं उद्यमिता कौशल पाठ्यक्रम एक ऐसा पाठ्यक्रम है, जिसका उद्देश्य रोजगार योग्यता कौशल को बढ़ाना और प्रमुख व्यक्तिगत विशेषताओं को विकसित करना है, जो रोजगार क्षमता पैदा करने और कार्यस्थल पर प्रभावी प्रदर्शन के लिए तैयार करने के लिए आवश्यक हैं।
- **प्रशिक्षुता (Internship)** – इंटर्नशिप किसी व्यक्ति द्वारा किसी संगठन में काम करने के ढङ्ग को समझने के अतिरिक्त, किसी विशिष्ट कार्य या भूमिका के लिए कौशल योग्यता में सुधार और सीखने के अवसरों के साथ-साथ शोध क्षमताओं का निर्माण करने के लिए भी की जाती है। इंटर्नशिप इस प्रकार आयोजित की जानी चाहिए कि इससे इंटर्न के साथ-साथ इंटर्नशिप प्रदान करने वाले संगठन को भी लाभ हो।

  कार्यस्थल के लिए आवश्यक सही दृष्टिकोण के साथ व्यावहारिक अनुभव और अनुभव विकसित करके स्नातकोत्तरों की रोजगार क्षमता में सुधार किया जा सकता है। इंटर्नशिप उन महत्वपूर्ण उपकरणों में से एक है जो इन रोजगार कौशलों को बेहतर बनाने में मदद करते हैं और छात्रों में रोजगार के लिए योग्यता, क्षमता, पेशेवर कार्य कौशल, विशेषज्ञता और आत्मविश्वास पैदा करने और शोध के प्रतिरुचि/ जुनून विकसित करने में मदद कर सकते हैं। इंटर्न कार्यस्थल में सिद्धांत के अनुप्रयोग को समझ सकते हैं। इंटर्नशिप को मोटे तौर पर दो प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है-

  i. रोजगारक्षमताबढ़ानेकेलिएइंटर्नशिप
  ii. ii. शोधयोग्यताविकसितकरनेकेलिएइंटर्नशिप

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

- **शिक्षुता (Apprenticeship)** – शिक्षुता प्रशिक्षण किसी भी उद्योग या प्रतिष्ठान में प्रशिक्षण का एक कोर्स है, जो नियोक्ता और शिक्षुओं के बीच शिक्षुता के अनुबंध के अनुसरण में और निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार किया जाता है।
- **सङ्गोष्ठी(Seminar)** – सङ्गोष्ठी गतिविधि आधारित पाठ्यक्रम हैं, जिनमें छात्र सामान्यतः अपनी कक्षा में तैयार किए गए प्रदत्त कार्य (Assignments), परियोजना (Project) / विषय बिन्दु तथा शीर्षक आधारित चर्चा (Theme & Topics)करते हैं।

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

एकवार्षिक पत्रोपाधि सत्रार्द्ध परीक्षा पाठ्यक्रम

आचार्य.न्यायदर्शन

Acharya Nyaya Darshan Syllabus

(Programme Code – AC-NYD)

प्रथम सत्रार्द्ध

2025-26

महर्षिपाणिनिसंस्कृतएवंवैदिकविश्वविद्यालय,देवासमार्ग,उज्जैन (म.प्र.) 456010

दूरभाष- (0734) 2526044, दूरप्रैष- (0734) 2524845

अणुसङ्केत - regpsvvmp@rediffmail.com, **अन्तर्जालपुट**- www.mpsvv.ac.in

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः				
कार्यक्रम : पत्रोपाधि पाठ्यक्रम Program : Diploma Course		**कक्षा (Class): आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 years)**	**सत्रार्ध : प्रथम Semester :I**	**सत्र (Session): 2025-26**
विषय (Subject) : न्याय दर्शन				
1	पाठ्यक्रम काकूट (Course Code)	PGD-NYD11		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC11) वात्स्यायनभाष्यसहितं न्यायसूत्रम् (प्रथमाध्यायः)		
3	पाठ्यक्रमका प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः(Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा(**Pre-requisite**) **(If any)**	विश्वविद्यालयानुदानायोग,नवदेहलीद्वाराप्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्यसंस्थानस्यवास्नातकपरीक्षोत्तीर्णाःतत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाःवा प्रवेष्टुमर्हाः।		
5	पाठ्यक्रमअध्ययनकी उपलब्धियाँ (**Course Learning Outcomes (CLO)**	● न्यायसूत्रार्थस्य सिद्धान्तस्य च ज्ञातुं समर्थाः प्रभवन्ति। ● छात्राः षोडशपदार्थानाम् अर्थं सम्यक् ज्ञातुमर्हन्ति। ● छात्राणां न्यायशास्त्रस्य गूढज्ञानार्जने किञ्च तात्विकदृष्ट्या सिद्धान्तस्य परिष्कारः भविष्यति। ● आजीविकार्थं छात्राणां बुद्धेः विकासः भविष्यति। ● छात्राः तार्किकाः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारः आस्तिकाः ईश्वरवादीनः वा भवितुमर्हन्ति।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 +60	Min. Passing Marks :35	
भागः-ब्, पाठ्यक्रमकी विषय वस्तु Part B – Content of the Course				
व्याख्यानकी सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5 सम्पूर्णव्याख्यानकालः पचहत्तर घण्टे (75 hours) **L-T-P: 5-0-0**				
इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)			अङ्काः क्रेडिट्-मानम्

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

01	**वात्सायनभाष्यसहितं न्यायसूत्रम् (प्रथमाध्यायः)** - सम्बन्धभाष्यप्रभृति द्वितीयसूत्रपर्यन्तम् **गतिविधयः** - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	15
02	**वात्सायनभाष्यसहितं न्यायसूत्रम् (प्रथमाध्यायः) -** प्रमाणविभागतः – शब्दप्रमाणद्वैविध्यनिरूपणपर्यन्तम् **गतिविधयः** - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**वात्सायनभाष्यसहितं न्यायसूत्रम् (प्रथमाध्यायः) -** प्रमेयविभागतः – अपवर्गस्वरूपनिरूपणपर्यन्तम् **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**वात्सायनभाष्यसहितं न्यायसूत्रम् (प्रथमाध्यायः) -** संशयस्वरूपनिरूपणतः – निर्णयस्वरूपनिरूपणपर्यन्तम् **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**वात्सायनभाष्यसहितं न्यायसूत्रम् (प्रथमाध्यायः) -** वादस्वरूपनिरूपणतः- निग्रहस्थानस्वरूपनिरूपणपर्यन्तम् **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसितअध्ययनसंसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्यसंसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसितसहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री

न्यायदर्शनम्	-	वात्स्यायनभाष्यम् सहितम्
प्राप्तिस्थानम्	-	चौखम्बाविद्याभवनम्, वाराणसी, उ.प्र.

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3. sanskrit.samskrutam.com
4. swayam.gov.in

भागः- द, अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

(Part D – Assessment and Evaluation)		
अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी।		
पूर्णाङ्क (Maximum Marks)		100
सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE):		40
विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE):		60
समय		**02:00 होरात्मक**
आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	पूर्णांकः 40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section) समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	5×3
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्काः-60
	सम्पूर्णाङ्काः	**100**
Any remarks/ Suggestions :		

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः			
कार्यक्रम : पत्रोपाधि पाठ्यक्रम Program : Diploma Course	**कक्षा (Class): आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : प्रथम Semester : I**	**सत्र (Session): 2025-26**
विषय (Subject) : न्याय दर्शन			

1	पाठ्यक्रम काकूट (Course Code)	PGD-NYD 12	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC 12) वैशेषिकसूत्रोपस्कारः (प्रथमात् तृतीयाध्यायपर्यन्तः)	
3	पाठ्यक्रमका प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः(Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा(**Pre-requisite**) **(If any)**	विश्वविद्यालयानुदानायोग,नवदेहलीद्वाराप्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्यसंस्थानस्यवास्नातकपरीक्षोत्तीर्णाःतत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाःवा प्रवेष्टुमर्हाः।	
5	पाठ्यक्रमअध्ययनकी उपलब्धियाँ (**Course Learning Outcomes (CLO)**	● वैशेषिकसूत्रार्थस्य सिद्धान्तस्य च ज्ञातुं समर्थाः प्रभवन्ति। ● छात्राः सप्तपदार्थानाम् अर्थं सम्यक् ज्ञातुमर्हन्ति। ● छात्राणां न्यायशास्त्रस्य गूढज्ञानार्जने किञ्च तात्विकदृष्ट्या सिद्धान्तस्य परिष्कारः भविष्यति। ● आजीविकार्थं छात्राणां बुद्धेः विकासः भविष्यति। छात्राः तार्किकाः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारः आस्तिकाः ईश्वरवादीनः वा भवितुमर्हन्ति।	
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5क्रेडिट्	
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 +60	Min. Passing Marks :35

भागः-ब्, पाठ्यक्रमकी विषय वस्तु

Part B – Content of the Course

व्याख्यानकी सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश)

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5

सम्पूर्णव्याख्यानकालः पचहत्तर घण्टे (75 hours)

L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	अङ्काः क्रेडिट्-मानम्

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

01	**वैशेषिकसूत्रोपस्कारः (प्रथमात् तृतीयाध्यायपर्यन्तः)** - प्रथमाध्यायस्य प्रथमाह्निकम् **गतिविधयः** - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	15
02	**वैशेषिकसूत्रोपस्कारः (प्रथमात् तृतीयाध्यायपर्यन्तः)** - प्रथमाध्यायस्य द्वितीयाह्निकम् **गतिविधयः** - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**वैशेषिकसूत्रोपस्कारः (प्रथमात् तृतीयाध्यायपर्यन्तः)** - द्वितीयाध्यायस्य प्रथमाह्निकम् **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**वैशेषिकसूत्रोपस्कारः (प्रथमात् तृतीयाध्यायपर्यन्तः)** - द्वितीयाध्यायस्य द्वितीयाह्निकम् **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**वैशेषिकसूत्रोपस्कारः (प्रथमात् तृतीयाध्यायपर्यन्तः)** - तृतीयाध्यायः सम्पूर्णः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसितअध्ययनसंसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्यसंसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसितसहायकपुस्तकें/ग्रन्थ/अन्यपाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री

वैशेषिकसूत्रोपस्करः	-	आचार्यशंकरमिश्र
प्राप्तिस्थानम्	-	चौखम्बा विद्याभवनम्, वाराणसी

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3. sanskrit.samskrutam.com
4. swayam.gov.in

भागः- द, अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः
(Part D – Assessment and Evaluation)

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी।		
पूर्णाङ्क (Maximum Marks)		100
सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE):		40
विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE):		60
समय		**02:00 होरात्मक**
आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	पूर्णांकः 40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section) समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	5×3
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्काः-60
	सम्पूर्णाङ्काः	**100**
Any remarks/ Suggestions :		

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः				
कार्यक्रम : पत्रोपाधि पाठ्यक्रम Program : Diploma Course		**कक्षा (Class): आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 years)**	**सत्रार्ध : प्रथम Semester : I**	**सत्र (Session): 2025-26**
विषय (Subject) : न्याय दर्शन				
1	पाठ्यक्रम काकूट (Course Code)	PGD-NYD 13		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC 13) व्यधिकरणम् (प्रथमलक्षणम्)		
3	पाठ्यक्रमका प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः(Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा(**Pre-requisite**) **(If any)**	विश्वविद्यालयानुदानायोग,नवदेहलीद्वाराप्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्यसंस्थानस्यवास्नातकपरीक्षोत्तीर्णाःतत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाःवाप्रवेष्टुमर्हाः।		
5	पाठ्यक्रमअध्ययनकी उपलब्धियाँ (**Course Learning Outcomes (CLO)**	● न्यायसिद्धान्तस्य ज्ञातुं समर्थाः प्रभवन्ति। ● छात्राः व्याप्तेः सम्यक् परिष्काराः ज्ञातुमर्हन्ति। ● छात्राणां न्यायशास्त्रस्य गूढज्ञानार्जने किञ्च तात्विकदृष्ट्या सिद्धान्तस्य परिष्कारः भविष्यति। ● आजीविकार्थं छात्राणां बुद्धेः विकासः भविष्यति। ● छात्राः तार्किकाः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारः आस्तिकाः ईश्वरवादीनः वा भवितुमर्हन्ति।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 +60	Min. Passing Marks :35	
भागः-ब्, पाठ्यक्रमकी विषय वस्तु Part B – Content of the Course				
व्याख्यानकी सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5 सम्पूर्णव्याख्यानकालः पचहत्तर घण्टे (75 hours) **L-T-P: 5-0-0**				
इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)			अङ्काः क्रेडिट्-मानम्

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

01	**व्यधिकरणम् (प्रथमलक्षणम्)** - अथेदं वाच्यं ज्ञेयत्वादिति मणिग्रन्थतः- व्यधिकरणप्रथमलक्षणपर्यन्तम्। **गतिविधयः** - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	15
02	**व्यधिकरणम् (प्रथमलक्षणम्)** - यत्समानाधिकरणपदप्रयोजनपर्यन्तम्- यावत्पदप्रयोजनपर्यन्तम्- **गतिविधयः** - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**व्यधिकरणम् (प्रथमलक्षणम्)** - साध्यतावच्छेदकावच्छिन्नपदप्रयोजनम्, हेतुतावच्छेदकसम्बन्धनिवेशप्रयोजनम्। **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**व्यधिकरणम् (प्रथमलक्षणम्)** - रूपादि-सामान्यभावे साध्ये पृथिवीत्वादिकं सद्धेतुरेव, न च प्रतियोगिवद्ध्वंसइत्यादिव्याख्या। **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**व्यधिकरणम् (प्रथमलक्षणम्)** - ततः अवशिष्टो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसितअध्ययनसंसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्यसंसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसितसहायकपुस्तकें/ग्रन्थ/अन्यपाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

व्यधिकरणम्	जागदीशीव्यधिकरणम्
प्राप्तिस्थानम्	चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3. sanskrit.samskrutam.com
4. swayam.gov.in

भागः- द, अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः
(Part D – Assessment and Evaluation)

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी।		
पूर्णाङ्क (Maximum Marks)		100
सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE):		40
विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE):		60
समय		**02:00 होरात्मक**
आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	पूर्णांकः 40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section) समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	5×3
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्काः-60
	सम्पूर्णाङ्काः	**100**
Any remarks/ Suggestions :		

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः				
कार्यक्रम : पत्रोपाधि पाठ्यक्रम Program : Diploma Course		**कक्षा (Class): आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : प्रथम Semester : I**	**सत्र (Session): 2025-26**
विषय (Subject) : न्याय दर्शन				
1	पाठ्यक्रम काकूट (Course Code)	PGD-NYD 14		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC14) न्यायकुसुमाञ्जलिः (प्रथमस्तवकात् तृतीयस्तबकस्य पञ्चदशकारिकापर्यन्तम्)		
3	पाठ्यक्रमका प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः(Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा(**Pre-requisite**) **(If any)**	विश्वविद्यालयानुदानायोग,नवदेहलीद्वाराप्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्यसंस्थानस्यवास्नातकपरीक्षोत्तीर्णाःतत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाःवाप्रवेष्टुमर्हाः।		
5	पाठ्यक्रमअध्ययनकी उपलब्धियाँ **(Course Learning Outcomes (CLO)**	● न्यायसिद्धान्तस्य ज्ञातुं समर्थाः प्रभवन्ति। ● छात्राः ईश्वरसिद्धेः सम्यक् परिष्काराः ज्ञातुमर्हन्ति। ● छात्राणां न्यायशास्त्रस्य गूढज्ञानार्जने किञ्च तात्विकदृष्ट्या सिद्धान्तस्य परिष्कारः भविष्यति। ● आजीविकार्थं छात्राणां बुद्धेः विकासः भविष्यति। ● छात्राः तार्किकाः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारः आस्तिकाः ईश्वरवादीनः वा भवितुमर्हन्ति।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 +60	Min. Passing Marks :35	
भागः-ब्, पाठ्यक्रमकी विषय वस्तु Part B – Content of the Course				
व्याख्यानकी सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5 सम्पूर्णव्याख्यानकालः पचहत्तर घण्टे (75 hours) **L-T-P: 5-0-0**				
इकाई	शीर्षक (Topics)			अङ्काः

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

(Unit)		क्रेडिट्-मानम्
01	**न्यायकुसुमाञ्जलिः (प्रथमस्तवकात् तृतीयस्तवकस्य पञ्चदशकारिकापर्यन्तम्)** - प्रथमस्तबकस्य आदितः दशकारिकापर्यन्तम् **गतिविधयः** - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	15
02	**न्यायकुसुमाञ्जलिः (प्रथमस्तवकात् तृतीयस्तवकस्य पञ्चदशकारिकापर्यन्तम्)** - प्रथमस्तबकस्य अवशिष्टो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**न्यायकुसुमाञ्जलिः (प्रथमस्तवकात् तृतीयस्तवकस्य पञ्चदशकारिकापर्यन्तम्)** - द्वितीयः स्तबकः सम्पूर्णम् **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**न्यायकुसुमाञ्जलिः (प्रथमस्तवकात् तृतीयस्तवकस्य पञ्चदशकारिकापर्यन्तम्)** - तृतीयस्तबकस्य आदितः सप्तकारिकापर्यन्तम् **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**न्यायकुसुमाञ्जलिः (प्रथमस्तवकात् तृतीयस्तवकस्य पञ्चदशकारिकापर्यन्तम्)** - तृतीयस्तबकस्य सप्तकारिकातः पञ्चदशकारिकापर्यन्तम् **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसितअध्ययनसंसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्यसंसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसितसहायकपुस्तकें/ग्रन्थ/अन्यपाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

न्यायकुसुमञ्जलिः	-	हरिदासीटीकासहिता
प्राप्तिस्थानम्	-	चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी, उ.प्र.

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3. sanskrit.samskrutam.com

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

4. swayam.gov.in		
भागः- द, अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः (Part D – Assessment and Evaluation)		
अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी। पूर्णाङ्क (Maximum Marks) 100 **सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क** (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE): 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE): 60 **समय** **02:00 होरात्मक**		
आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	पूर्णांकः 40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section) समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	5×3
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्काः-60
	सम्पूर्णाङ्काः	**100**

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

एकवार्षिक पत्रोपाधि सत्रार्द्ध परीक्षा पाठ्यक्रम

आचार्य.न्यायदर्शन

Acharya Nyaya Darshan Syllabus

(Programme Code – AC-NYD)

द्वितीय सत्रार्द्ध

2025-26

महर्षिपाणिनिसंस्कृतएवंवैदिकविश्वविद्यालय,देवासमार्ग,उज्जैन (म.प्र.) 456010

दूरभाष- (0734) 2526044, दूरप्रैष- (0734) 2524845

अणुसङ्केत - regpsvvmp@rediffmail.com, अन्तर्जालपुट- www.mpsvv.ac.in

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः				
कार्यक्रम : पत्रोपाधि पाठ्यक्रम Program : Diploma Course		**कक्षा (Class): आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : द्वितीय Semester : I**	**सत्र (Session): 2025-26**
विषय (Subject) : न्याय दर्शन				
1	पाठ्यक्रम काकूट (Course Code)	PGD-NYD21		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC 21) वात्सायनभाष्यसहितं न्यायसूत्रम् (द्वितीयाध्यायः)		
3	पाठ्यक्रमका प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः(Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा(**Pre-requisite**) **(If any)**	विश्वविद्यालयानुदानायोग,नवदेहलीद्वाराप्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्यसंस्थानस्यवास्नातकपरीक्षोत्तीर्णाःतत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाःवाप्रवेष्टुमर्हाः।		
5	पाठ्यक्रमअध्ययनकी उपलब्धियाँ (**Course Learning Outcomes (CLO)**	● न्यायसूत्रस्य अर्थं ज्ञातुं समर्थाः प्रभवन्ति। ● छात्राः षोडशपदार्थानां न्यायदर्शनसिद्धान्तनां च सम्यक् ज्ञातुमर्हन्ति। ● छात्राणां न्यायशास्त्रस्य गूढज्ञानार्जने किञ्च तात्विकदृष्ट्या सिद्धान्तस्य परिष्कारः भविष्यति। ● आजीविकार्थं छात्राणां बुद्धेः विकासः भविष्यति। छात्राः तार्किकाः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारः आस्तिकाः ईश्वरवादीनः वा भवितुमर्हन्ति।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 +60	Min. Passing Marks :35	
भागः-ब्, पाठ्यक्रमकी विषय वस्तु Part B – Content of the Course				
व्याख्यानकी सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5 सम्पूर्णव्याख्यानकालः पचहत्तर घण्टे (75 hours) **L-T-P: 5-0-0**				
इकाई	शीर्षक (Topics)			अङ्काः

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

(Unit)		क्रेडिट्-मानम्
01	**वात्सायनभाष्यसहितं न्यायसूत्रम् (द्वितीयाध्यायः)** - संशयस्वरूपपरीक्षातः प्रमाणसामान्यपरीक्षापर्यन्तम् **गतिविधयः** - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	15
02	**वात्सायनभाष्यसहितं न्यायसूत्रम् (द्वितीयाध्यायः)** - प्रत्यक्षप्रमाणपरीक्षातः अवयविसद्भावनिरूपणपर्यन्तम् **गतिविधयः** - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**वात्सायनभाष्यसहितं न्यायसूत्रम् (द्वितीयाध्यायः)** - अनुमानप्रमाणपरीक्षातः त्रैकाल्यपरीक्षापर्यन्तोभागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**वात्सायनभाष्यसहितं न्यायसूत्रम् (द्वितीयाध्यायः)** - उपमानपरीक्षातः शब्दप्रमाणपरीक्षापर्यन्तोभागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**वात्सायनभाष्यसहितं न्यायसूत्रम् (द्वितीयाध्यायः)** - प्रमाणचतुष्ट्याशंकाप्रभृति जातिस्वरूपनिरूपणपर्यन्तोभागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसितअध्ययनसंसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्यसंसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसितसहायकपुस्तकें/ग्रन्थ/अन्यपाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

न्यायदर्शनम्	-	वात्स्यायनः (भाष्यसहितम्)
प्राप्तिस्थानम्	-	चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी, उ.प्र.

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3. sanskrit.samskrutam.com
4. swayam.gov.in

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः- द, अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः (Part D – Assessment and Evaluation)		
अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी।		
पूर्णाङ्क (Maximum Marks)		100
सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE):		40
विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE):		60
समय		**02:00 होरात्मक**
आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	पूर्णांकः 40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section) समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	5×3
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्काः-60
	सम्पूर्णाङ्काः	**100**
Any remarks/ Suggestions :		

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः				
कार्यक्रम : पत्रोपाधि पाठ्यक्रम Program : Diploma Course		**कक्षा (Class): आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : द्वितीय Semester : II**	**सत्र (Session): 2025-26**
विषय (Subject) : न्याय दर्शन				
1	पाठ्यक्रम काकूट (Course Code)	PGD-NYD 22		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC 22) वैशेषिकसूत्रोपस्कारः (चतुर्थाध्यायात् षष्ठाध्यायपर्यन्तः)		
3	पाठ्यक्रमका प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः(Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा(**Pre-requisite**) **(If any)**	विश्वविद्यालयानुदानायोग,नवदेहलीद्वाराप्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्यसंस्थानस्यवास्नातकपरीक्षोत्तीर्णाःतत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाःवाप्रवेष्टुमर्हाः।		
5	पाठ्यक्रमअध्ययनकी उपलब्धियाँ **(Course Learning Outcomes (CLO)**	● वैशेषिकसूत्रस्य अर्थं ज्ञातुं समर्थाः प्रभवन्ति। ● छात्राः सप्तपदार्थानां वैशेषिकदर्शनसिद्धान्तनां च सम्यक् ज्ञातुमर्हन्ति। ● छात्राणां न्यायशास्त्रस्य गूढज्ञानार्जने किञ्च तात्विकदृष्ट्या सिद्धान्तस्य परिष्कारः भविष्यति। ● आजीविकार्थं छात्राणां बुद्धेः विकासः भविष्यति। ● छात्राः तार्किकाः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारः आस्तिकाः ईश्वरवादीनः वा भवितुमर्हन्ति।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 +60	Min. Passing Marks :35	
भागः-ब्, पाठ्यक्रमकी विषय वस्तु Part B – Content of the Course				
व्याख्यानकी सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5 सम्पूर्णव्याख्यानकालः पचहत्तर घण्टे (75 hours) **L-T-P: 5-0-0**				
इकाई	शीर्षक (Topics)			अङ्काः

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

(Unit)		क्रेडिट्-मानम्
01	**वैशेषिकसूत्रोपस्कारः (चतुर्थाध्यायात् षष्ठाध्यायपर्यन्तः)** - चतुर्थाध्यायस्य प्रथमाह्निकम् **गतिविधयः** - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	15
02	**वैशेषिकसूत्रोपस्कारः (चतुर्थाध्यायात् षष्ठाध्यायपर्यन्तः) -** चतुर्थाध्यायस्य द्वितीयाह्निकम् **गतिविधयः** - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**वैशेषिकसूत्रोपस्कारः (चतुर्थाध्यायात् षष्ठाध्यायपर्यन्तः) -** पञ्चमाध्यायस्य प्रथमाह्निकम् **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**वैशेषिकसूत्रोपस्कारः (चतुर्थाध्यायात् षष्ठाध्यायपर्यन्तः) -** पञ्चमाध्यायस्य द्वितीयाह्निकम् **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**वैशेषिकसूत्रोपस्कारः (चतुर्थाध्यायात् षष्ठाध्यायपर्यन्तः) -** षष्ठाऽध्यायः सम्पूर्णम् **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसितअध्ययनसंसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्यसंसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसितसहायकपुस्तकें/ग्रन्थ/अन्यपाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

वैशेषिकसूत्रोपस्कारः	-	आचार्यशंकरमिश्रः
प्राप्तिस्थानम्	-	चौखम्बा विद्या भवनम्, वाराणसी, उ.प्र.

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3. sanskrit.samskrutam.com
4. swayam.gov.in

भागः- द, अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

(Part D – Assessment and Evaluation)		
अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी।		
पूर्णाङ्क (Maximum Marks)		100
सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE):		40
विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE):		60
समय		**02:00 होरात्मक**
आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	पूर्णांकः 40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section) समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	5×3
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्काः-60
	सम्पूर्णाङ्काः	**100**
Any remarks/ Suggestions :		

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः				
कार्यक्रम : पत्रोपाधि पाठ्यक्रम Program : Diploma Course		**कक्षा (Class): आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : द्वितीय Semester : II**	**सत्र (Session): 2025-26**
विषय (Subject) : न्याय दर्शन				
1	पाठ्यक्रम काकूट (Course Code)	PGD-NYD 23		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC 23) व्यधिकरणम् (द्वितीयलक्षणम्)		
3	पाठ्यक्रमका प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः(Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा(**Pre-requisite**) **(If any)**	विश्वविद्यालयानुदानायोग,नवदेहलीद्वाराप्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्यवास्नातकपरीक्षोत्तीर्णाःतत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाःवाप्रवेष्टुमर्हाः।		
5	पाठ्यक्रमअध्ययनकी उपलब्धियाँ **(Course Learning Outcomes (CLO)**	● न्यायसिद्धान्तस्य ज्ञातुं समर्थाः प्रभवन्ति। ● छात्राः व्याप्तेः सम्यक् लक्षणपरिष्काराः ज्ञातुमर्हन्ति। ● छात्राणां न्यायशास्त्रस्य गूढज्ञानार्जने किञ्च तात्विकदृष्ट्या सिद्धान्तस्य परिष्कारः भविष्यति। ● आजीविकार्थं छात्राणां बुद्धेः विकासः भविष्यति। ● छात्राः तार्किकाः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारः आस्तिकाः ईश्वरवादीनः वा भवितुमर्हन्ति।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 +60	Min. Passing Marks :35	
भागः-ब्, पाठ्यक्रमकी विषय वस्तु Part B – Content of the Course				
व्याख्यानकी सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5 सम्पूर्णव्याख्यानकालः पचहत्तर घण्टे (75 hours) **L-T-P: 5-0-0**				
इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)			अङ्काः क्रेडिट्-मानम्

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

01	**व्यधिकरणम् (द्वितीयलक्षणम्)** - व्यधिकरणग्रन्थस्य द्वितीयलक्षणविचारः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	15
02	**व्यधिकरणम् (द्वितीयलक्षणम्)** – चक्रवर्तिप्रथमलक्षणविचारः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**व्यधिकरणम् (द्वितीयलक्षणम्)** – चक्रवर्तिद्वितीयलक्षणविचारः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**व्यधिकरणम् (द्वितीयलक्षणम्)** – चक्रवर्तितृतीयलक्षणपरिचयः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**व्यधिकरणम् (द्वितीयलक्षणम्)** – प्रतियोग्यसमानाधिकरणपदार्थविमर्शः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसितअध्ययनसंसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्यसंसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसितसहायकपुस्तकें/ग्रन्थ/अन्यपाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

व्यधिकरणम् - जागदीशी व्यधिकरणम्

प्राप्तिस्थानम्- चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, उ.प्र

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3. sanskrit.samskrutam.com
4. swayam.gov.in

भागः- द, अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः
(Part D – Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी।

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) 100

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE): 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE): 60 **समय** **02:00 होरात्मक**		
आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	पूर्णांकः 40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section) समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	5×3
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्काः-60
	सम्पूर्णाङ्काः	**100**

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः				
कार्यक्रम : पत्रोपाधि पाठ्यक्रम Program : Diploma Course		**कक्षा (Class): आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : द्वितीय Semester : II**	**सत्र (Session): 2025-26**
विषय (Subject) : न्याय दर्शन				
1	पाठ्यक्रम काकूट (Course Code)	PGD-NYD 24		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC 24) न्यायकुसुमाञ्जलिः (तृतीयस्तवकात् पञ्चमस्तवकपर्यन्ता)		
3	पाठ्यक्रमका प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः(Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा(**Pre-requisite**) **(If any)**	विश्वविद्यालयानुदानायोग,नवदेहलीद्वाराप्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्यसंस्थानस्यवास्नातकपरीक्षोत्तीर्णाःतत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाःवाप्रवेष्टुमर्हाः।		
5	पाठ्यक्रमअध्ययनकी उपलब्धियाँ (**Course Learning Outcomes (CLO)**	● न्यायसिद्धान्तस्य ज्ञातुं समर्थाः प्रभवन्ति। ● छात्राः ईश्वरसिद्धेः सम्यक् परिष्काराः ज्ञातुमर्हन्ति। ● छात्राणां न्यायशास्त्रस्य गूढज्ञानार्जने किञ्च तात्विकदृष्ट्या सिद्धान्तस्य परिष्कारः भविष्यति। ● आजीविकार्थं छात्राणां बुद्धेः विकासः भविष्यति। ● छात्राः तार्किकाः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारः आस्तिकाः ईश्वरवादीनः वा भवितुमर्हन्ति।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 +60	Min. Passing Marks :35	
भागः-ब्, पाठ्यक्रमकी विषय वस्तु Part B – Content of the Course				
व्याख्यानकी सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5 सम्पूर्णव्याख्यानकालः पचहत्तर घण्टे (75 hours) **L-T-P: 5-0-0**				
इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)			अङ्काः क्रेडिट्-मानम्

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

01	**न्यायकुसुमाञ्जलिः (तृतीयस्तबकात् पञ्चमस्तवकपर्यन्ता)** - तृतीयस्तबकस्य अन्तिमाष्टकारिकाः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	15
02	**न्यायकुसुमाञ्जलिः (तृतीयस्तबकात् पञ्चमस्तवकपर्यन्ता)** - चतुर्थस्तबकः सम्पूर्णम् **गतिविधयः** - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**न्यायकुसुमाञ्जलिः (तृतीयस्तबकात् पञ्चमस्तवकपर्यन्ता)** - पञ्चमस्तबकस्य आदितः षष्ठकारिकापर्यन्तम् **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**न्यायकुसुमाञ्जलिः (तृतीयस्तबकात् पञ्चमस्तवकपर्यन्ता)** - ततः द्वादशकारिकापर्यन्तम् **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**न्यायकुसुमाञ्जलिः (तृतीयस्तबकात् पञ्चमस्तवकपर्यन्ता)** - ततः अवशिष्टो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसितअध्ययनसंसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्यसंसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसितसहायकपुस्तकें/ग्रन्थ/अन्यपाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

न्यायकुसुमञ्जलिः - हरिदासीटीका सहिता

प्राप्तिस्थानम् - चौखम्बाविश्वभारती, वाराणसी, उ.प्र.

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3. sanskrit.samskrutam.com
4. swayam.gov.in

भागः- द, अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

<table>
<tr><th colspan="3">(Part D – Assessment and Evaluation)</th></tr>
<tr><td colspan="3">अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी।
पूर्णाङ्क (Maximum Marks) 100
सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE): 40
विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE): 60
समय 02:00 होरात्मक</td></tr>
<tr><td>आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):</td><td>कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि
(Class Test/Assignment/Presentation)</td><td>पूर्णांकः 40</td></tr>
<tr><td rowspan="3">बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section)
समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)</td><td>अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न
Section (A) : 5 Very Short Questions</td><td>5×1</td></tr>
<tr><td>अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न
Section (B) : 5 Short Questions
प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)</td><td>5×3</td></tr>
<tr><td>अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न
Section (C) : 5 Long Questions
प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)</td><td>5×8
पूर्णाङ्क - 60</td></tr>
<tr><td></td><td>सम्पूर्णाङ्काः</td><td>100</td></tr>
<tr><td colspan="3">Any remarks/ Suggestions :</td></tr>
</table>

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)